

उभयभुजः श्रीगणेशाय नमः ॥
 नमो वन्द्यै ॥ तिमिरनिशुलम
 रम्यकगंदिने ॥ तिमिर



गणकलयविनमोदगीत
 भा ॥ भिन्दति उभयगमिभु
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥